Testline

RPSC स्कूल व्याख्याता (School Lecturer, 1st Grade)

Syllabus — पेपर II — वाणिज्य

हिंदी

Testline app में free test दें

testline.in

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SCHOOL EDUCATION)

वाणिज्य

(Commerce)

भाग I : उच्च माध्यमिक स्तर (Senior Secondary Level)

- बहीखाता एवं लेखाशास्त्र : लेखांकन अवधारणाएं, परंपराएं, लेखांकन प्रक्रिया – जर्नल (रोजनामचा), सहायक पुस्तकें
- तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन, पूंजीगत और आयगत मदें
- अंतिम खाते तैयार करना (गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए)
- साझेदारी खाते : सामान्य परिचय, प्रवेश, अवकाश ग्रहण और मृत्यु, विघटन
- कंपनी खाते : शेयरों का निर्गमन, शेयरों और डिबेंचर (ऋणपत्र) का शोधन
- लेखांकन में कम्प्युटर के अनुप्रयोग
- वित्तीय विवरणों का विश्लेषण : वित्तीय विश्लेषण के उपकरण
- व्यवसाय – अवधारणा, वर्गीकरण, व्यवसाय प्रारंभ करना, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, ई–बिजनेस और ई–कॉमर्स
- प्रबंधन – अवधारणा, प्रकृति, सिद्धांत। कार्य–नियोजन, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन और नियंत्रण
- विपणन – अर्थ, कार्य, विपणन प्रबंधन – विचारधाराएं, विपणन मिश्रण
- वित्तीय प्रबंधन : अर्थ, उद्देश्य, वित्तीय निर्णय, पूंजी संरचना–पूंजी संरचना के चयन को प्रभावित करने वाले कारक
- अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी : केंद्रीय प्रवृति के माप, परिक्षेपण के माप और सूचकांक
- आर्थिक विकास : अवधारणा और नए दृष्टिकोण, सतत विकास, ग्रामीण विकास – मुख्य मुद्दे और सरकारी नीतियां, मानव विकास सूचकांक – विभिन्न दृष्टिकोण

- बेरोजगारी – प्रकार, रुझान, समस्याएं और नीतियां
- 1991 का संकट, 1991 में आर्थिक सुधार – आवश्यकता और मुख्य विशेषताएं, उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव

भाग II : स्नातक स्तर (Graduation Level)

- अनुपात विश्लेषण : तरलता, शोधन क्षमता, क्रियाशीलता, लाभप्रदता
- नकद प्रवाह विवरण
- लागत लेखांकन : अर्थ, लागत के तत्व
- सीमांत लागत और लागत–मात्रा–लाभ (CVP) विश्लेषण
- अंकेक्षण : अर्थ, उद्देश्य, अंकेक्षण कार्यक्रम
- बजटिंग : अर्थ, बजट के प्रकार, बजट समिति, बजट केंद्र
- भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 (धारा 1–36 और 56)
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019
- व्यावसायिक वातावरण : कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और व्यावसायिक नैतिकता
- उद्यमिता : अवधारणा, भूमिका, प्रकार। राजस्थान के उद्यमी
- मानव संसाधन प्रबंधन : अर्थ और कार्य, भर्ती और चयन
- आर्थिक वातावरण : अर्थ, प्रकार और आर्थिक वातावरण का प्रभावित करने वाले कारक
- भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी विशेषताएं और बदलते आयाम
- औद्योगीकरण : महत्व, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप्स, MSME और FDI
- भारत का विदेशी व्यापार – मात्रा, संरचना, दिशा और निर्यात प्रोत्साहन के उपाय
- राष्ट्रीय आयः परिभाषा, अवधारणाएं, मापन, वितरण और आर्थिक कल्याण

भाग III : स्नातकोत्तर स्तर (Post Graduation Level)

- प्रबंधकीय लेखांकन : अर्थ, उद्देश्य, पूंजी की लागत, उत्तोलक विश्लेषण
- कार्यशील पूंजी प्रबंधन : अर्थ, प्रकार, कार्यशील पूंजी को प्रभावित करने वाले कारक, परिचालन चक्र दृष्टिकोण
- व्यावसायिक सांख्यिकी : प्रतिचयन का सैद्धांतिक ढांचा, प्रायिकता के आधार – जोड़, गुणा और सशर्त प्रायिकता
- भारतीय महाकाव्य और प्रबंधन : भगवद गीता और कौटिल्य का अर्थशास्त्र
- व्यावसायिक अनुसंधान पद्धति – अनुसंधान का अर्थ और उद्देश्य, अनुसंधान के प्रकार
- संघर्ष प्रबंधन और तनाव प्रबंधन
- पूंजी बाजार : प्राथमिक बाजार और माध्यमिक बाजार, स्टॉक एक्सचेंज : BSE और NSE, सेबी (SEBI)
- उपयोगिता विश्लेषण, मांग विश्लेषण और मांग पूर्वानुमान – तकनीकें
- लोक वित्त : केंद्रीय बजट, घाटे की वित्त व्यवस्था और राजकोषीय प्रबंधन – FRBM
- भारतीय बैंकिंग प्रणाली : केंद्रीय और वाणिज्यिक बैंकिंग, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, नेट और मोबाइल बैंकिंग और UPI तंत्र
- मौद्रिक और राजकोषीय नीतियां – उद्देश्य, विरोधाभास और उपकरण